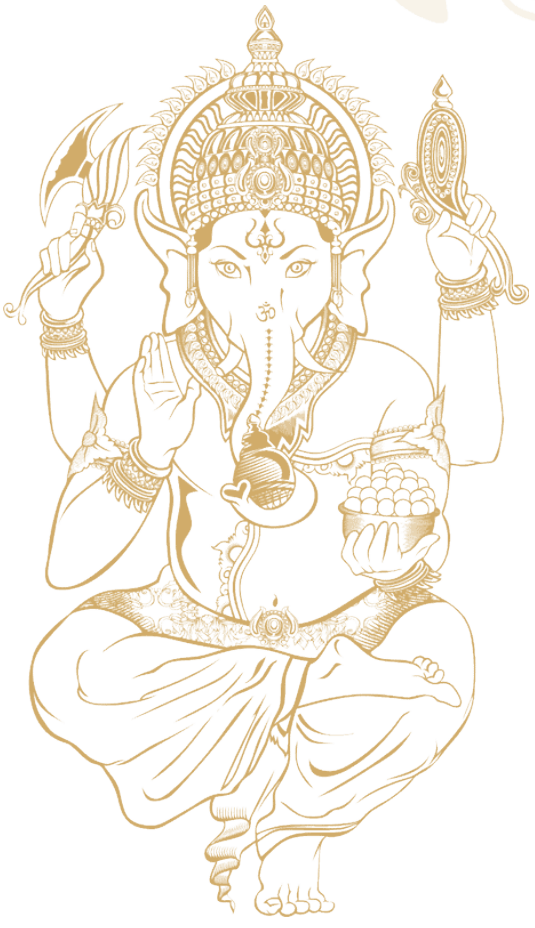

Shiv

Anamika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120903702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	05/07/1994
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	09:00:59 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	09:36:24 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Mumbai
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	06:06:10
18:11:09	सूर्यास्त	19:20:01
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:03

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि

बुध	10/05/2021
	10/05/2038
बुध	06/10/2023
केतु	02/10/2024
शुक्र	03/08/2027
सूर्य	09/06/2028
चन्द्र	08/11/2029
मंगल	05/11/2030
राहु	25/05/2033
गुरु	31/08/2035
शनि	10/05/2038

ग्रह	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
लग्न	11:40:33	कर्क	लग्न	कर्क	27:23:39
सूर्य	08:12:45	मीन	सूर्य	मिथु	19:07:02
चंद्र	24:53:24	तुला	चंद्र	वृष	06:22:15
मंगल	01:47:57	कुंभ	मंगल	वृष	07:04:27
बुध	15:45:14	मीन	व बुध	व मिथु	05:44:51
गुरु	13:10:10	सिंह	व गुरु	तुला	10:59:51
शुक्र	16:33:17	कुंभ	शुक्र	कर्क	29:14:14
शनि	21:18:28	मक	शनि	व कुंभ	18:30:02
राहु	11:37:25	धनु	व राहु	व तुला	29:04:02
केतु	11:37:25	मिथु	व केतु	व मेष	29:04:02
हर्ष	23:52:05	धनु	हर्ष	व मक	01:03:25
नेप	24:58:18	धनु	नेप	व धनु	28:26:05
प्लूटो	29:00:13	तुला	व प्लूटो	व वृश्चि	01:45:35

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 7मा 18दि

राहु	21/02/2013
	21/02/2031
राहु	04/11/2015
गुरु	29/03/2018
शनि	02/02/2021
बुध	23/08/2023
केतु	09/09/2024
शुक्र	10/09/2027
सूर्य	04/08/2028
चन्द्र	03/02/2030
मंगल	21/02/2031

लग्न-चलित

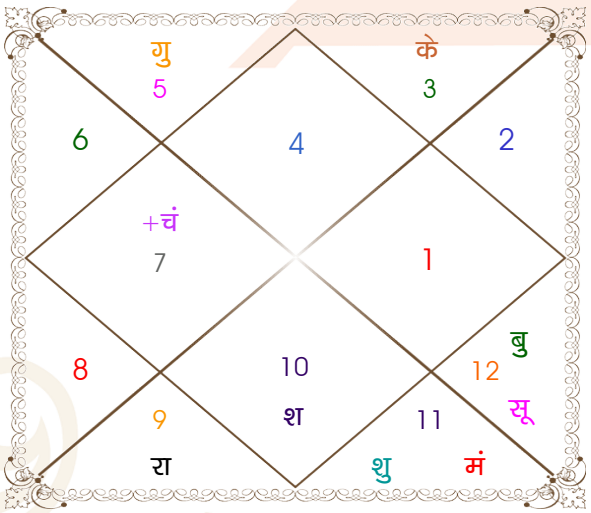

लग्न-चलित

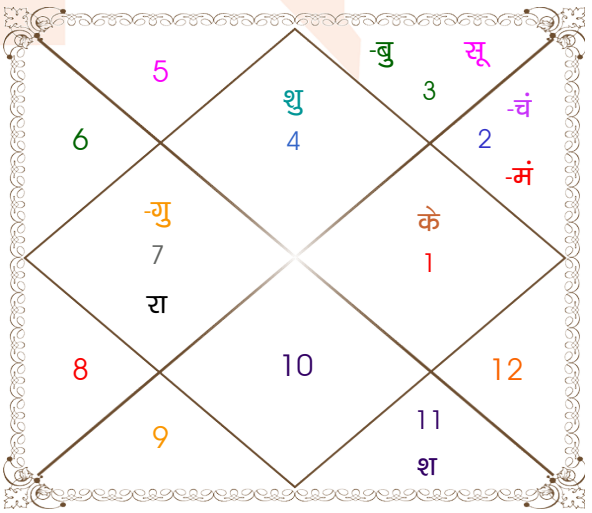

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Shiv का वर्ग सर्प है तथा ।दंउपां का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और ।दंउपां का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दंउपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ।दंउपां कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दंउपां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथा ।दंउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।